Rajeev Gandhi Govt. Post Graduate College
Ambikapur, Surguja Chhattisgarh

Department Of Political Science

DEPARTMENTAL ACTIVITIES

2019 -20

National Webinar

On 25/06/2020, a one-day national webinar was organized under the joint aegis of Rajiv Gandhi Government Postgraduate College and Government Naveen Mahavidyalaya Batauli on the topic "Challenges and possibilities of Indian politics in the current global scenario". In which Dr. Rajiv Kumar and A. Panda participated as subject experts.

2023 -24

QUIZ & SPEECH COMPETITION

On the occasion of Constitution Day on 26/11/2023, the Department of Political Science, Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur organized a quiz and speech competition on the importance of Indian constitutional values.

The program was presided over by Principal Professor Rizwan Ullah, in his presidential address, he threw light on the background of the creation of the Indian Constitution and said that we created an inclusive constitution while protecting human values. Dr. Jasita Miz, Dr. Piyush Kumar Pandey, Mr. Vineet Kumar Gupta, Mr. Kuldeep Chaturvedi, Dr. Ajay Pal Singh and all the postgraduate students participated in the program.

संविधान दिवस पर प्रश्नोत्तरी व भाषण स्पर्धा

अम्बिकापुर। पीजी कॉलेज अम्बिकापुर के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्रों के बीच भारतीय संविधान के मूल्य व महत्व पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्ला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारतीय संविधान के निर्माण की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमने मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करते हुए समावेशी संविधान का निर्माण किया, जिसका आधार भारतीय परिस्थियों व मूल्य मार्गदर्शक की भूमिका में थे। कार्यक्रम में डॉ. जसिता मिंज, डॉ. पीयूश कुमार पाण्डेय, विनीत कुमार गुप्ता, डॉ. अजय पाल सिंह, जीवकुमार के साथ अरमान खान,शुभम गुप्ता, प्रांशु कमल दीक्षित, श्रवण सहित अन्य छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए कार्यक्रम का संचालन कुलदीप चतुर्वेदी ने किया।

शिविर के दौरान स्टाफ नर्स ने भी किया सहयोग।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया हुनर

अंबिकापुर| गुरुवार को संविधान सप्ताह के अवसर पर राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर में भारतीय संविधान के मूल्य व महत्व पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस दौरान प्राचार्य ने अपने भाषण में भारतीय संविधान के निर्माण की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए समावेशी संविधान का निर्माण किया गया है। हमें भारतीय संविधान के महत्व को समझना चाहिए और इसका पालन करना चाहिए। भाषण के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में डॉ जसिता मिंज, डॉ पीयूश कुमार पाण्डेय, विनीत कुमार गुप्ता, डॉ अजय पाल सिंह, जीव कुमार सहित अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

LECTURE ON HUMAN RIGHTS

On the occasion of completion of 75 years of global declaration of human rights, the Department of Political Science of Rajiv Gandhi Government Post Graduate College Ambikapur organized a solo lecture on the topic "Human Rights: Issues and Challenges" on 10/12/2024, in which Dr. Akhilesh Dwivedi, Assistant Professor (Political Science), Government Rajmohini Devi Girls Post Graduate College Ambikapur participated as subject expert. Dr. Snehlata Srivastava, Dr. Jsinta Minj Dr. Piyush Kumar Pandey, Mr. Vineet Kumar Gupta, Mr. Kuldeep Chaturvedi and all the students were present.

LECTURE ON Swami Vivekananda

On the occasion of Youth Day on 12/01/2024, a lecture was organized by the Department of Political Science of Rajiv Gandhi Government Postgraduate College Ambikapur on the topic "Swami Vivekananda India's Renaissance", in which Dr. Puneet Rai Assistant Professor Hindi, Government Arun Singh Dev College Shankarnagar participated as a subject expert.

The program was presided over by Dr. Pratibha Singh, Head of Department of Sociology, Dr. Jasinta Miz, Dr. Piyush Kumar Pandey, Dr. Umesh Kumar Pandey, Dr. Pradeep Ekka, Mr. Vineet Kumar Gupta, Mr. Kuldeep Chaturvedi and all the students of Political Science Department were present from the program.

संत परंपरा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण वाहक

पीजी कॉलेज में स्वामी विवेकानंद के बारे में एक व्याख्यान

अंबिकापुर.(अम्बिकावाणी समाचार)। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के राजनीति विज्ञान विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग ने संयुक्त रूप से स्वामी विवेकानंद के बारे में एक व्याख्यान आयोजित किया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ पुनीत कुमार राय, प्राध्यापक, शासकीय अरुण सिंह देव महाविद्यालय शंकरगढ़,जिला बलरामपुर ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ प्रतिभा सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग ने की। स्वामी विवेकानंद एवं भारत का नवजागरण विषयक इस व्याख्यान में डॉ पुनीत कुमार राय ने भारत की संत परंपरा को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण वाहक बताया। इस परंपरा में संतो ने अपने तप,त्याग व कर्म से इस संस्कृति को सींचा है।उन्होंने विवेकानंद के वैज्ञानिक विचार,धर्म की समझ, पूर्व-पश्चिम का समावेश करना व अपनी संस्कृति पर गर्व करना । वर्तमान परिवेश में पूरी शक्ति के साथ धर्म को प्रतिस्थापित करने का कार्य किया ।१८९३ के शिकागो सम्मेलन से उनकी प्रसिद्धि व प्रतिष्ठा विश्वभर में फैल चुकी थी लेकिन उनका हृदय में भारत की पीड़ा के लिए हमेशा चिंतित रहते थे। पुनीत राय ने इसके साथ-साथ उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस और उनके आपसी संबंधों, विवेकानंद के भारत भ्रमण के माध्यम से भारत के संदर्भ में अपने बोध को बढ़ाना और अमेरिका से लौट के भारत की यात्रा प्रबोध के रूप में करना बहुत महत्वपूर्ण था। भारत क ी सामाजिक,आर्थिक,सांस्कृतिक व राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े राष्ट्रीय आंदोलन के नेताओं पर विवेकानंद का स्पष्ट प्रभाव देखने को मिलता है। आज भी युवा संन्यासी उतना ही प्रासंगिक है जितना की एक सदी पहले था।यह उनके विचारों की स्पष्टता, दूरदर्शिता व प्रासंगिकता को स्पष्ट करता है। आज भी युवाओं के प्रेरणास्तोत्र के रूप में एक बड़ा व्यक्तित्व है। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर प्रतिभा सिंह ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का छात्र जीवन में महत्व,समाज जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही उन्होंने मुख्य वक्ता की कही हुई बातों की प्रशंसा की ।कार्यक्रम का संचालन कुलदीप चतुर्वेदी ने किया। इस कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग से डॉ प्रदीप एक्का ,राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ पीयूष पांडे, विनीत कुमार गुप्त एवं हिंदी विभाग से डॉ दीपक सिंह एवं डॉ उमेश कुमार पांडे प्राध्यापकगण उपस्थित रहे साथ ही बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद ,भारत का नवजागरण विषयक पर व्याख्यान का आयोजन

अंबिकापुर/ राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के राजनीति विज्ञान विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग ने संयुक्त रूप से स्वामी विवेकानंद के बारे में एक व्याख्यान आयोजित किया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ पुनीत कुमार राय, प्राध्यापक, शासकीय अरुण सिंह देव महाविद्यालय शंकरगढ़,जिला बलरामपुर ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ प्रतिभा सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग ने की। स्वामी विवेकानंद एवं भारत का नवजागरण विषयक इस व्याख्यान में डॉ पुनीत कुमार राय ने भारत की संत परंपरा को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण वाहक बताया। इस परंपरा में संतो ने अपने तप,त्याग व कर्म से इस संस्कृति को सींचा है।उन्होंने विवेकानंद के वैज्ञानिक विचार,धर्म की समझ, पूर्व-पश्चिम का समावेश करना व अपनी संस्कृति पर गर्व करना । वर्तमान परिवेश में पूरी शक्ति के साथ धर्म को प्रतिस्थापित करने का कार्य किया ।1893 के शिकागो सम्मेलन से उनकी प्रसिद्धि व प्रतिष्ठा विश्वभर में फैल चुकी थी लेकिन उनका हृदय में भारत की पीड़ा के लिए हमेशा चिंतित रहते थे। पुनीत राय ने इसके साथ-साथ उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस और उनके आपसी संबंधों, विवेकानंद के भारत भ्रमण के माध्यम से भारत के संदर्भ में अपने बोध को बढ़ाना और अमेरिका से लौट के भारत की यात्रा प्रबोध के रूप में करना बहुत महत्वपूर्ण था। भारत की सामाजिक,आर्थिक,सांस्कृतिक व राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े राष्ट्रीय आंदोलन के नेताओं पर विवेकानंद का स्पष्ट प्रभाव देखने को मिलता है। आज भी युवा संन्यासी उतना ही प्रासंगिक है जितना की एक सदी पहले था।यह उनके विचारों की स्पष्टता, दूरदर्शिता व प्रासंगिकता को स्पष्ट करता है। आज भी युवाओं के प्रेरणास्तोत्र के रूप में एक बड़ा व्यक्तित्व है। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर प्रतिभा सिंह ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का छात्र जीवन में महत्व,समाज जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही उन्होंने मुख्य वक्ता की कही हुई बातों की प्रशंसा की ।कार्यक्रम का संचालन कुलदीप चतुर्वेदी ने किया। इस कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग से डॉ प्रदीप एक्का ,राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ पीयूष पांडे, विनीत कुमार गुप्त एवं हिंदी विभाग से डॉ दीपक सिंह एवं डॉ उमेश कुमार पांडे प्राध्यापकगण उपस्थित रहे साथ ही बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

National Seminar

A two-day national seminar was organized by the Department of Political Science, Rajiv Gandhi Government Post Graduate College Ambikapur on 04-05 March 2024, in whose inaugural session the keynote speaker was Premshankar Sidar ji, Honorable State Pracharak Rashtriya Swayamsevak Sangh Raipur (CG), special speaker was Prof. Ramshankar, Honorable Vice Chancellor of Roshan Nath Shukla University Shahdol (MP).

The session was presided over by the Principal of the college, Dr. Rizwan Ullah. The program was attended by the coordinator of the seminar, Dr. Piyush Kumar Pade, Dr. Jasita Minj, Mr. Vineet Kumar Gupta, Mr. Kuldeep Chaturvedi along with all the professors, researchers and students of the college. 6 technical sessions were conducted in the national seminar in which subject experts from different states participated, as well as online / offline research papers were read.

पत्रिका

राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

'देश का महत्व खुद पहचानें, तभी विश्व का नेतृत्व करने स्वयं को कर पाएंगे तैयार'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अंबिकापुर. राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा '21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में उभरता भारत' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन एवं प्रथम दिन का आयोजन संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर रामशंकर कुलपति पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल मध्यप्रदेश उपस्थित रहे। विषय प्रवर्तन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत प्रचारक प्रेम शंकर सिदार ने किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सर्वेश पांडे प्राचार्य डीसीएसके महाविद्यालय मऊ उत्तर प्रदेश मंचस्थ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर संगीत महाविद्यालय अंबिकापुर के विद्यार्थियों द्वारा राज्यगीत का प्रस्तुतीकरण किया गया। संगोष्ठी के संयोजक डॉक्टर पीयूष पांडे ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने वक्तव्य में प्रेम शंकर सिदार ने भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु अपनी परंपराओं एवं आध्यात्मिक मूल्यों को पुनः जागृत करने पर बल दिया। उन्होंने पुराने भारतीय ज्ञान-विज्ञान को अनुसंधान करके सामने लाने और उसके माध्यम से पुनः देश के प्रतिष्ठित होने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के महत्व को जब तक हम भारतवासी नहीं पहचानेंगे तब तक हम विश्व का नेतृत्व करने हेतु स्वयं को पूरी तरह से तैयार नहीं कर पाएंगे। हमें स्वयं को पहचानना होगा तभी हम विकसित भारत का निर्माण कर पाएंगे।

मुख्य अतिथि प्रो. रामशंकर ने अपने उद्बोधन में कहा की विज्ञान की मापन तकनीक सीमित है किंतु मनुष्यों की अनुभूति के अनंत आयाम हैं। हमें हमारी ज्ञान परंपरा पर शोध करना तथा उसे आज के वैश्विक परिदृश्य से जोड़ने की आवश्यकता है। संगोष्ठी के प्रथम दिवस दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इसमें डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव, डॉक्टर एसपी त्रिपाठी, डॉक्टर अनुराधा सिंह, डॉक्टर राकेश देढ़गवे, डॉक्टर पुनीत रॉय एवं डॉक्टर सचिन मंदिलवार ने विचार प्रस्तुत किए। तकनीकी सत्र का संचालन डॉक्टर अजय पाल सिंह एवं विनीत गुप्त ने किया।

संगोष्ठी में इन्होंने भी रखे अपने विचार

कार्यक्रम में इलाहाबाद के प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह, सीएमपी कॉलेज प्रयागराज की डॉ. अनुराधा सिंह, जनकपुर कॉलेज से प्रोफेसर शारदा प्रसाद त्रिपाठी, जशपुर से डॉ. अनिल श्रीवास्तव, शंकरगढ़ कॉलेज के डॉ. पुनीत कुमार राय, मगध विश्वविद्यालय के डॉ. सचिन मंडीलवार आदि ने भी अपने विचार रखे। आभार ज्ञापन कुलदीप चतुर्वेदी ने किया।

06/03/2024 | Ambikapur | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

विज्ञान का मापन तकनीक सीमित, किंतु मनुष्यों की अनुभूति के अनंत आयाम

पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा '21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में उभरता भारत' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शुभारंभ दिवस पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर रामशंकर कुलपति पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल, मध्य प्रदेश रहे। विषय प्रवर्तन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत प्रचारक प्रेम शंकर सिदार ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सर्वेश पांडेय प्राचार्य डीसीएसके महाविद्यालय मऊ उत्तर प्रदेश रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला ने की। मां सरस्वती की पूजा के बाद संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राज्यगीत का प्रस्तुतिकरण किया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. पीयूष पांडेय ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रेम शंकर सिदार ने भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु अपनी परंपराओं एवं आध्यात्मिक मूल्यों को पुन: जागृत करने पर बल दिया। उन्होंने पुराने भारतीय ज्ञान विज्ञान को अनुसंधान करके सामने लाने और उसके माध्यम से पुन: देश के प्रतिष्ठित होने की बात कही। उन्होंने कहा भारत के महत्व को जब तक हम भारतवासी नहीं पहचानेंगे, तब तक हम विश्व का नेतृत्व करने हेतु स्वयं को पूरी तरह से तैयार नहीं कर पाएंगे। हमें स्वयं को पहचानना होगा, तभी हम विकसित भारत का निर्माण कर पाएंगे। मुख्य अतिथि प्रो. रामशंकर ने कहा विज्ञान का मापन तकनीक सीमित है किंतु मनुष्यों की अनुभूति के अनंत आयाम है। हमें हमारी ज्ञान, परंपरा पर शोध करना तथा उसे आज के वैश्विक परिदृश्य से जोड़ने की आवश्यकता है। इस अवसर पर इलाहाबाद के प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह, सीएमपी कॉलेज प्रयागराज की डॉ. अनुराधा सिंह, डॉ. राकेश देढ़गवे, जनकपुर कॉलेज से प्रो. शारदा प्रसाद त्रिपाठी, जशपुर से डॉ. अनिल श्रीवास्तव, शंकरगढ़ कॉलेज के डॉ. पुनीत कुमार राय, मगध विश्वविद्यालय के डॉ. सचिन मंदिलवार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमेश कुमार पांडेय और विनीत गुप्ता ने किया। आभार ज्ञापन कुलदीप चतुर्वेदी ने किया। संगोष्ठी के प्रथम दिवस दो तकनीक सत्र आयोजित किए गए। सत्र का संचालन डॉ. अजय पाल सिंह एवं विनीत गुप्ता ने किया।

आयोजन | 21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में उभरता भारत विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय ज्ञान, परंपरा को वैश्विक परिदृश्य से जोड़ने की जरूरत

राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान पत्रिका का विमोचन करते अतिथि ● नईदुनिया

अंबिकापुर (नईदुनिया न्यूज)। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में उभरता

भारत विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर रामशंकर कुलपति पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल मध्यप्रदेश उपस्थित रहे। विषय प्रवर्तन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत प्रचारक प्रेम शंकर सिदार ने किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डा सर्वेश पांडेय प्राचार्य डीसीएसके महाविद्यालय मऊ उत्तर प्रदेश रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रिजवान उल्ला ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर संगीत महाविद्यालय अंबिकापुर के विद्यार्थियों द्वारा राज्यगीत का प्रस्तुतीकरण किया गया। संगोष्ठी के संयोजक डा पीयूष पांडेय ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रेम शंकर सिदार ने भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु अपनी परंपराओं एवं आध्यात्मिक मूल्यों को पुनः जागृत करने पर बल दिया। उन्होंने पुराने भारतीय ज्ञान विज्ञान को अनुसंधान करके सामने लाने और उसके माध्यम से पुनः देश के प्रतिष्ठित होने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के महत्व को जब तक हम भारतवासी नहीं पहचानेंगे तब तक हम विश्व का नेतृत्व करने हेतु स्वयं को पूरी तरह से तैयार नहीं कर पाएंगे हमें स्वयं को पहचानना होगा तभी हम विकसितभारत का निर्माण कर पाएंगे। मुख्य अतिथि प्रो रामशंकर ने अपने उदबोधन में कहा की विज्ञान की मापन तकनीक सीमित है किंतु मनुष्यों की अनुभूति के अनंत आयाम है। हमें हमारी ज्ञान परंपरा पर शोध करना तथा उसे आज के वैश्विक परिदृश्य से जोड़ने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में इलाहाबाद के प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह, सीएमपी कॉलेज प्रयागराज की डा अनुराधा सिंह, जनकपुर कालेज से प्रो शारदा प्रसाद त्रिपाठी, जशपुर से डा अनिल श्रीवास्तव, शंकरगढ़ कालेज के डा पुनीत कुमार राय, मगध विश्वविद्यालय के डा सचिन मंदिलवार आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डा उमेश कुमार पांडेय और विनीत गुप्ता ने किया। आभार ज्ञापन कुलदीप चतुर्वेदी ने किया।

संगोष्ठी के प्रथम दिवस दो तकनीकी सत्र आयोजित किये गए जिसमे डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव, डॉक्टर एस पी त्रिपाठी, डॉक्टर अनुराधा सिंह, डॉक्टर राकेश देढ़गवे, डॉक्टर पुनीत रॉय एवम डॉक्टर सचिन मंदिलवार ने विचार प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्र का संचालन डॉक्टर अजयपालसिंह एवम विनीत गुप्त ने किया

****

पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

ज्ञान परंपरा पर शोध कर उसे वैश्विक परिदृश्य से जोड़ने की है जरूरत

नवभारत ब्यूरो। अम्बिकापुर।

21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में उभरता भारत विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में शंभूनाथ शुक्ल विवि मप्र के प्रो. रामशंकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विषय प्रवर्तन आरएसएस छग प्रांत के प्रांत प्रचारक प्रेम शंकर सिदार, विशिष्ट अतिथि डॉ. सर्वेश पांडेय प्राचार्य डीसीएस महाविद्यालय उप्र और अध्यक्षता पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. पीयूष पांडे ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि प्रो. रामशंकर ने कहा कि विज्ञान की मापन तकनीक सीमित है, किंतु मनुष्यों की अनुभूति के अनंत आयाम है। हमें हमारी ज्ञान परंपरा पर शोध करना तथा उसे आज के वैश्विक परिदृश्य से जोड़ने की आवश्यकता है। प्रेम शंकर सिदार ने भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए अपनी परंपराओं व आध्यात्मिक मूल्यों को पुनः जागृत करने पर बल दिया। उन्होंने पुराने भारतीय ज्ञान विज्ञान को अनुसंधान करके सामने लाने और उसके माध्यम से पुनः देश के प्रतिष्ठित होने की बात कही। हमें स्वयं को पहचानना होगा तभी हम विकसित भारत का निर्माण कर पाएंगे। कार्यक्रम में प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रयागराज की डॉ. अनुराधा सिंह, प्रो. शारदा प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. अनिल श्रीवास्तव, डॉ. पुनीत कुमार राय, डॉ. सचिन मॅदिलवार आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमेश कुमार पांडेय और विनीत गुप्ता और आभार प्रदर्शन कुलदीप चतुर्वेदी ने किया।